पश्चिमी उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा संस्थानों का विकास तेजी से किया जाएगा

- ***ग्रेटर नोएडा में मेडिकल विश्वविद्यालय एवं नोएडा में सुपर–स्पेशियलटी बाल चिकित्सालय व मेडिकल कॉलेज के विकास कार्य ने पकड़ी गति***
- ***मेडिकल उपकरणों की खरीद हेतु शीघ्र क्रय समिति बनाई जाएगी***

लखनऊ, 03 दिसम्बर, 2012

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए राज्य सरकार ने संबंधित अधिकारियों को ग्रेटर नोएडा में मेडिकल विश्वविद्यालय एवं नोएडा में सुपर–स्पेशियलटी बाल चिकित्सालय व मेडिकल कॉलेज के विकास कार्य में और तेजी लाने का निर्देश दिया है। यह निर्णय आज यहाँ अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त (आईआईडीसी) अनिल कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में सम्पन्न समीक्षा बैठक में लिया गया।

आईआईडीसी अनिल कुमार गुप्ता ने गेटर नोएडा एवं नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे मेडिकल काउंसिल ऑफ इण्डिया के मानकों के अनुसार आवश्यक चिकित्सा उपकरण व मशीनों की खरीद के लिए शीघ्र **'क्रय समिति'** का गठन करें। उन्होंने कहा कि उपकरणों को तकनीकी विशेषज्ञों की सलाह पर ही खरीदा जाए जिससे इन मशीनों का अधिकाधिक उपयोग किया जा सके।

आईआईडीसी ने कहा– *"पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उच्च–स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं एवं चिकित्सा शिक्षा संस्थानों का विकास राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में सम्मिलित है। क्योंकि इस क्षेत्र के सामान्य निवासियों के लाभ हेतु स्वास्थ्य व चिकित्सा अवस्थापना सुविधाओं की स्थापना अत्यंत महत्वपूर्ण है।"*

उन्होंने कहा कि इस संबंध में भूमि का स्थानांनतरण और निर्माण गतिविधि के साथ–साथ आवश्यक पदों के सृजन की कार्यवाही भी शीघ्रता से की जाए।

लगभग 25 एकड़ भूमि ग्रेटर नोएडा में विकसित किए जा रहे मेडिकल विश्वविद्यालय को स्थानांनतरित की जाएगी, जबकि नोएडा में सुपर–स्पेशियलटी बाल चिकित्सालय व मेडिकल कॉलेज को विद्यमान 7000 वर्ग मीटर भूमि पर लम्बवत् (vertical) रूप से एफएआर (फ्लोर एरिया रेशियो) को बढ़ाते हुए विकसित किया जाएगा।

बैठक में सूचित किया गया कि नोएडा में सुपर–स्पेशियलटी बाल चिकित्सालय व मेडिकल कॉलेज के विकास के लिए **परामर्शी का चयन दो सप्ताह में हो जाएगा। चयनित परामर्शी इस परियोजना हेतु विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) बनाएगा।** इस नवीन चिकित्सालय में अन्य सुविधाओं कि अतिरिक्त ट्रॉमा सेन्टर भी बनाया जाएगा। वर्तमान वित्तीय वर्ष के अन्त तक इस परियोजना के क्रियाशील हो जाने की सम्भावना है।

विदित हो कि राज्य सरकार ने ग्रेटर नोएडा में मेडिकल विश्वविद्यालय और नोएडा में सुपर–स्पेशियलटी बाल चिकित्सालय व मेडिकल कॉलेज के विकास का अनुमोदन पहले ही कर चुकी है। इस संबंध में ग्रेटर नोएडा में निर्माणाधीन मल्टी–स्पेशियलटी चिकित्सालय को चिकित्सा विश्वविद्यालय के रूप में तथा नोएडा स्थित जिला अस्पताल को सुपर–स्पेशियलटी बाल चिकित्सालय व मेडिकल कॉलेज के रूप में विकसित किया जाएगा।

बैठक में नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा प्राधिकरणों व चिकित्सा शिक्षा विभाग के उच्चाधिकारियों ने भाग लिया।